

**Horticulture
&
Natural Resources:
Vegetation and Major Minerals**

Meaning of Horticulture

- The word horticulture comes from two Latin words which mean “garden” and “culture.” Horticulture is the art and science of growing (विकास) and handling (प्रबंध) fruits, nuts (सूपारी), vegetables, herbs (औषधीयां), flowers, foliage plants (Ornament-Like Leaves), woody ornamentals, and turf (घास बिछाना).

Horticulture

- Horticulture is the science and art of the development, sustainable production, marketing, and use of high-value, intensively cultivated food and ornamental plants.
- From 1960, the greenhouse farming has developed drastically in Japan.

Reasons for Horticulture Development in Japan

- Japan has a high standard of living and is considered to be a high end food market.
- The country is highly dependent on imports of agricultural products: 61% of its food is imported.
- Support by Japanese government for improves food security.
- Demand increasing of greenhouse products. (Aim of Govt.-Without import).
- Under-developed, small-scale and scattered agricultural sector into a modern, industrialized and even export-oriented growth sector.



Characteristics



- Horticulture especially greenhouse horticulture is highly developed in Japan mainly for vegetables, flowers and fruits.
- Greenhouse products are playing an important role all the seasons in this region.
- Simple greenhouses with pipes and plastics are still popular in Japan.
- But the trend is to build stronger greenhouse conforming to the local climatic conditions such as typhoon, heavy snowfall and earthquakes.
- Greenhouses, including plastic houses, has expanded from 1707 ha in 1960 to 4 lakh in present.

The localization factors of such greenhouse development are:

- The betterment of transportation systems as highways, ocean ferry routes.**
- Supply of new covering plastic materials and fuel for heating.**
- Progress of cultivation techniques inside the greenhouse**
- Demand for out-seasonal products.**

वनस्पति (Vegetation)

- जापान का लगभग 68 प्रतिशत भाग वनों से ढका हुआ है।
- चार प्रमुख द्वीपों के भी लगभग 40 प्रतिशत भाग पर वन पाए जाते हैं।
- देश में वनों का पर्याप्त संरक्षण किया गया है।
- वनों की कटाई वैज्ञानिक विधियों द्वारा की जाती है एवं काटे गए वृक्षों के स्थान पर पुनः वृक्षों का विकास किया जाता है।
- देश के एक विस्तृत भाग पर उपोष्ण वन पाए जाते हैं जिनमें मैपिल, बीच, लार्च, हेमलॉक, स्प्रूस, ऐश आदि वृक्षों की प्रधानता है।
- कोणधारी एवं शीत-शीतोष्ण प्रकार के वनों की बहुलता है।

वनस्पति (Vegetation)

- होकैडो द्वीप पर स्थित डाइसेसुजान राष्ट्रीय उद्यान (**Daisetsuzan National Park**) जापान का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है।
- जापान के ठंडे बर्फीले क्षेत्रों में हिम बन्दर (**Snow Monkey**) पाए जाते हैं। इनका मुंह लाल एवं शेष शरीर पर भूरे बाल होते हैं। ठंड से बचने के लिए ये बन्दर गर्म जल के स्रोतों के पास रहते हैं और उनके गर्म जल में बैठकर ठंड से बचते हैं।

खनिज (Minerals)

- खनिज संसाधनों में जापान अधिक सम्पन्न देश नहीं है।
- अपनी भूगर्भिक स्थिति के कारण यहां खनिजों की विविधता कम है एवं खनिजों की मात्रा अल्प है जिनका खनन अनार्थिक होता है। लेकिन फिर भी कुछ खनिजों का खनन यहां होता है।
- क्रोमाइट, जिप्सम, चुना पत्थर, मैग्नीशियम, पाइराइट, सल्फर, जस्ता, सीसा, तांबा, सोना, चांदी आदि खनिजों का देश में आवश्यकतानुसार खनन किया जाता है।
- अन्य सभी खनिजों का आयात किया जाता है जिनमें लोहा, कोयला, पेट्रोलियम, पारा, मैंगनीज, टिन, टंगस्टन, निकल, कोबाल्ट, एल्यूमिनियम, नाइट्रेट, पोटैश आदि प्रमुख हैं।

खनिज (Minerals)

- तांबे का उत्पादन होंशू के आकीता, तोचीगी, इबाराकी एवं शिकोकू द्वीप पर इहाइमे से होता है। तांबा उत्पादन में यह एशिया का प्रमुख देश है।
- लोहा कम मात्रा में उत्तरी-पूर्वी होंशू के कैमेशी तथा सनीन क्षेत्रों से निकाला जाता है। होकैडो द्वीप से भी अल्प मात्रा में इसका खनन होता है।
- सोने का उत्पादन चारों द्वीपों से होता है। कोनोमाई, कुशीकियो, ताकातामा एवं ताइयों आदि प्रमुख क्षेत्र हैं।
- चांदी, सीसा, जस्ता, पाईराइट, चुना पत्थर आदि खनिजों का खनन भी जापान से किया जाता है।

ऊर्जा संसाधन (Energy Resources)

- ऊर्जा खनिजों के अभाव के कारण जल विद्युत ने यहां के औद्योगिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।
- जल विद्युत उत्पादन के लिए आवश्यक सभी आदर्श दशाएं यहां मौजूद हैं।
- होंशू द्वीप पर इसके विकास की संभावनाएं अधिक हैं। इसी द्वीप पर सर्वाधिक विकास भी किया गया है। यह क्षेत्र ऊँचा है एवं नदियों की लंबाई अधिक है जिससे इसके लिए आदर्श दशाएं उपलब्ध हो जाती है।